

रिचर्ड बेरेनगार्टेन

Richard Berengarten

अनुवाद : बसन्त रूंगटा

translated by Basant Rungta

साँझ रो घूमणों

... अब जद सिन्झ्याँ ढलण चाली ...

सूरज देवता, गाल थारा सुर्ख लाल, दिन री सोनल गिन्नी थे,
थारो परस बणावै म्हारी चाम नै आँख्याँ री झीणी परत,
ओर रीढ़ नै उणरी नस, ओर सिहरण लागै म्हारो डील
उन सोनल चमक सँ, ढालो हो थे भर भर कलस जिणसँ
इण समन्दर ओर नगर माथै, जिणसँ हूँ बण जाऊँ आन्धो ।
कदे अठे ऊभी ही कतारौं ही कतारौं, जकी हूँ जाणू ऊभी हैं हाल भी
मकानाँ न गैलाँ री, जका हा किणी दूसरै सहर रा,
इणरा नीं जिणनै बदल गेस्या थे पूरो को पूरो ।

घूम रह्यौं म्हें समन्दर री पाल । रात रा
मछवारौं री नावाँ तयार खड़ी निकलण ताँई,
पालौं बन्धेड़ी, घरघराता इंजिन, टिमटिमाती लालटेण्यौं कूणौं माथै,
ओर निकल पड़ी सगली नगरी जाणी टैलण समदर री पाल,
बाथौं बन्धेड़ा प्रेमी, अकड़ता नोजवान,
मायौं ओर बापू आइस—क्रीम खाती टाबरी,
निहारता बूढा बैठ्या चाय—दुकानाँ री बेंचाँ पर,
ओर अँधेरा सँ कलवासी पड़ती डूँगर्यौं लागै आयरी नेड़ी, मिनखावड़ा जिनावरौं दाँई ।

साँझ री मादक झँई, जकी पसरगी खाड़ी ओर डूँगर्यौं माथै,
कितरो हलवै सी छू लियो थारो हाथ मनै, जियौं चाणचक ई,
इण मरवण रा परस दाँई, घूमरी हवै म्हारै साथै, पसवाड़ै
भस्या नितम्ब, ओछा डग, झूमती चाल,
गैरा काला बाल, लारै खिंचेड़ा, नाजक नाड़, कान्धा
गरमी सँ ताम्बा बरणी, ओर उणरी भूरी बदामी मुलकती आँख्याँ
हूँ पीऊँ थानै ओ झिलमिलाती रोसणी, जियौं अँगूरी सराब, संगीत जियौं,
जिण भाँत पीवता रैया उणरा बडगा हजारूँ बरसाँ सँ ।

बिना परकोटै री नगरी, उणरो नाम मुगती,
हालाँकि थारै घावाँ रा निसान उणरी आख्याँ माँय बणगा धूसर चिकत्याँ
फेर ई, इण बेला जद चानणों ओर उण री उतरती—चढ़ती लहस्याँ
फूट स्यी हलवै—हलवै उणरै मुखड़, बोली बण, गीत बण,
उण रो ई है सदीनों हक इण घाट माथै चालणै रो
थारै उजालै रो साधन ओर रुखालो बण,
एकठो करै बा जिणनै आपरी सावगैरी आँख्याँ माँय
ओर है उणनै लाड भरी आजादी थारै माथै पग धरणै री, एक पातर दाँई ।

प्यारी साँझ, हजारों बरस पुराणी रोसनी थे,
गावो कितरा खुल्ला गला सँ, सोवणी इण लुगाई दाँई,
क्यूँ नीं पूजूँ थारै सलूणापण नै जिण माँय
थे ढाल दिया इण नगर नै, नगरहाला नै, एड़ा साचाँ माँय
जको तरास देवै छू लेवै जिणनै भी, सगली दुनिया नै ?
हूँ दास बणगो हूँ थारो, जे नागरिक नहीं तो भी ।
ओर इतरी तिरस है थानै पीवण री कै भर देस्युँ
म्हारै रोम—रोम नै थारी आभा सँ, आजादी सँ ।

रिचर्ड बेरेनगार्टेन

Richard Berengarten

अनुवाद : बसन्त रूंगटा

translated by Basant Rungta

interLitQ.org